

**SECOND APPEAL UNDER SECTION 19(3) OF THE RIGHT TO INFORMATION  
ACT, 2005**

**BEFORE THE HON'BLE STATE INFORMATION COMMISSION, UTTAR  
PRADESH**

**Navchetna Kendra, 10 Ashok Marg, Lucknow, Uttar Pradesh – 226001**

**In the Matter of:**

**Yogi M. P. Singh**

Mohalla - Surekapuram, Jabalpur Road,

Sangmohal, Mirzapur, Uttar Pradesh, Pincode – 231001

Mob: +91-7379105911 | Email: yogimpsingh@gmail.com

**... APPELLANT**

**VERSUS**

**1. State Public Information Officer (SPIO) / State Nodal Officer**

State Agency For Comprehensive Health and Integrated Services (SACHIS),

Navchetna Kendra, 10 Ashok Marg, Lucknow, U.P. – 226001

(Name of SPIO: DR. B. K. SRIVASTAVA)

**2. First Appellate Authority (FAA) / Chief Executive Officer**

State Agency For Comprehensive Health and Integrated Services (SACHIS),

Navchetna Kendra, 10 Ashok Marg, Lucknow, U.P. – 226001

(Name of FAA: MS. ARCHANA VERMA)

**... RESPONDENTS**

**1. Particulars of the Original RTI Application:**

- **Registration Number:**SACHI/R/2026/80001

(17) Yogi M P Singh

- **Date of Submission:**20/01/2026
- **Mode of Submission:**Online (RTI Portal)

## 2. Particulars of the First Appeal:

- **Registration Number:**SACHI/A/2026/60009
- **Date of Submission:**27/03/2026
- **Ground of First Appeal:**No Response / Deemed Refusal under Section 7(2).

## 3. Brief Facts of the Case:

The Appellant filed an online RTI application on 20/01/2026 seeking specific, certified details regarding a financial scam of ₹20 Lakhs under the Ayushman Bharat Scheme at Ramakrishna Seva Ashram Hospital, Mirzapur, which defrauded nearly 400 impoverished patients. The information requested included the investigation report by Dr. Subodh Sinha and Dr. V.K. Bharti, the Action Taken Report (ATR), recovery progress, and details of delinquent audit officers.

The Respondent No. 1 (SPIO) failed to provide any response within the mandatory 30-day period, leading to a "Deemed Refusal" under Section 7(2) of the Act. Subsequently, the Appellant filed a First Appeal on 27/03/2026. However, Respondent No. 2 (FAA) has failed to adjudicate the appeal or provide any communication within the statutory limit of 45 days. As of June 10, 2026, the information remains willfully withheld.

(2) Yogi MP Singh

#### 4. Grounds for the Second Appeal:

- **Violation of Statutory Mandates:**Both Respondents have ignored the time-bound obligations set by the RTI Act, 2005.
- **Willful Obstruction of Justice:**The silence of SACHIS suggests a deliberate attempt to suppress evidence regarding the embezzlement of public funds meant for the BPL category.
- **Public Interest:**The matter involves a significant financial scam in a flagship healthcare scheme, making the disclosure of the investigation and recovery status a matter of high public importance.

#### 5. Information Sought:

The Appellant seeks an order from the Hon'ble Commission for the immediate disclosure of:

1. Certified copy of the Final Investigation Report by the inquiry committee (Dr. Subodh Sinha and Dr. V.K. Bharti).
2. Certified copy of the Action Taken Report (ATR) and directives against the hospital.
3. Documentation showing the actual amount of financial recovery materialized.
4. Details of disciplinary/penal actions (FIRs/Suspensions) against hospital management and audit officers.
5. Names and deployment history of audit officers responsible for the hospital during the last two fiscal years.

(3) Yogi M P Singh

## 6. Prayers / Reliefs Claimed:

The Appellant respectfully prays that this Hon'ble Commission may:

- a) Direct the SPIO to provide all requested certified documents immediately and free of cost as per Section 7(6).
- b) Impose a maximum penalty of ₹25,000 on Respondent No. 1 under Section 20(1) for the unexplained delay and refusal of information.
- c) Recommend disciplinary action against Respondent No. 1 and Respondent No. 2 under Section 20(2) for their persistent failure to uphold the RTI Act.

## 7. Verification:

I, Yogi M. P. Singh, do hereby declare and verify that the facts stated above are true, correct, and complete to the best of my knowledge and belief, and that no part of it is false or misleading.

**Date:**10/06/2026

**Place:**Mirzapur, Uttar Pradesh

*Yogi M P Singh*

**Yogi M P Singh**

*(4) Yogi M P Singh*



Sponsored by: Honda Car... BOOK NOW



होम ताज़ा ब्रेकिंग राष्ट्रीय दुनिया राशिफल बिजनेस मनोरंजन क्रिकेट अध्यात्म अन्य :

- विजिलेंस टीम की जांच में मामला हुआ उजागर

- 400 मरीजों के इलाज में 20 लाख रुपये से अधिक की गई धनउगाही जागरण संवाददाता, मीरजापुर : आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना में विजिलेंस टीम की जांच में मरीजों के इलाज के नाम पर लाखों रुपये गोलमाल का मामला प्रकाश में आया है। चिकित्सालय के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को रिपोर्ट भेज दी गई है।

नगर के ओझलापुल स्थित रामकृष्ण सेवा आश्रम चिकित्सालय में आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना में मरीजों के किए गए इलाज की सूची और उन पर खर्च किए गए रुपये का आंकड़ा आरटीआई कार्यकर्ता इरशाद अली ने मांगा था। मिले आंकड़े में गोलमाल किए जाने की आशंका जताते हुए इसकी शिकायत पीएमओ कार्यालय में की। शिकायत पर पीएमओ कार्यालय ने मंडलीय चिकित्सालय के अधिकारियों से मामले की जांच कराकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एडी ने संयुक्त निदेशक विध्याचल मंडल डा. सुबोध सिन्हा के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम जिला शिकायत प्रबंधन आयुष पांडेय व नोडल अधिकारी आयुष्मान डाक्टर वीके भारती के साथ पहुंचकर पूरे मामले की जांच की। जांच में पाया गया कि जिन अधिकारी को आडिट करने के लिए निर्देशित किया था उन्होंने दो साल तक चिकित्सालय जाकर कोई आडिट नहीं की थी। इससे चिकित्सालय के कर्मचारी मनमाने तरीके से मरीजों का इलाज कर उनसे धनउगाही करते रहे। जांच में पाया गया कि करीब 400 मरीजों से इलाज के नाम पर धन उगाही की गई, जो 15 से 20 लाख रुपये होगी। इसकी रिपोर्ट

आयुष्मान भारत योजना में लाखों का घोटाला

आरटीआई ::

- विजिलेंस टीम की जांच में मामला हुआ उजागर

- 400 मरीजों के इलाज में 20 लाख रुपये से अधिक की गई धनउगाही जागरण संवाददाता, मीरजापुर : आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना में विजिलेंस टीम की जांच में मरीजों के इलाज के नाम पर लाखों रुपये गोलमाल का मामला प्रकाश में आया है। चिकित्सालय के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को रिपोर्ट भेज दी गई है।

नगर के ओझलापुल स्थित रामकृष्ण सेवा आश्रम चिकित्सालय में आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना में मरीजों के किए गए इलाज की सूची और उन पर खर्च किए गए रुपये का आंकड़ा आरटीआई कार्यकर्ता इरशाद अली ने मांगा था। मिले आंकड़े में गोलमाल किए जाने की आशंका जताते हुए इसकी शिकायत पीएमओ कार्यालय में की। शिकायत पर पीएमओ कार्यालय ने मंडलीय चिकित्सालय के अधिकारियों से मामले की जांच कराकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एडी ने संयुक्त निदेशक विध्याचल मंडल डा. सुबोध सिन्हा के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम जिला शिकायत प्रबंधन आयुष पांडेय व नोडल अधिकारी आयुष्मान डाक्टर वीके भारती के साथ पहुंचकर पूरे मामले की जांच की। जांच में पाया गया कि जिन अधिकारी को आडिट करने के लिए निर्देशित किया था उन्होंने दो साल तक चिकित्सालय जाकर कोई आडिट नहीं की थी। इससे चिकित्सालय के कर्मचारी मनमाने तरीके से मरीजों का इलाज कर उनसे धनउगाही करते रहे। जांच में पाया गया कि करीब 400 मरीजों से इलाज के नाम पर धन उगाही की गई, जो 15 से 20 लाख रुपये होगी। इसकी रिपोर्ट बनाकर शासन के पास रिकवरी के लिए भेज दिया। ---